तर्ज-- रूख से जरा नकाब हटा दो

दिल से हमारे ख्वाब हटा दो मेरे हजूर
जलवा वो नूरी हमको दिखा दो मेरे हजूर

1--करते थे साथ आपके,जमुना जी झीलना
संग स्यामा जी के आपका,हंसना वो बोलना
वो ही नजारा अपना दिखा दो मेरे हजूर

2--कभी कुंजवन में दौड़ना ,मधुबन में खेलना
कभी ताड़वन में आपके ,संग साथ झूलना
सुख अपने साथ को वो दिखा दो मेरे हजूर

3--पिया साथ आपके जहां,आनंद में झूमना
इश्के सुराही में तेरी, रूहों का डूबना
मस्ती निगाहें जाम पिला दो मेरे हजूर

Nijanand App